भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +4580

सोमवार, 22 जुलाई, 2019/31 आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

'धरोहर अपनाओं' योजना की स्थिति

+4580.एडवोकेट अदूर प्रकाशः

कुमारी शोभा कारान्दलाजेः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 'धरोहर अपनाओं' योजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है तथा अब तक हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों का ब्यौरा क्या है;

(ख) मंजूर पदों, संबंधित क्षेत्र का ज्ञान रखने वाले परामर्शदाताओं की नियुक्ति का ब्यौरा क्या है और एएसआई में वित्त वर्ष 2017-18 के लिए वेतन और पारिश्रमिक पर कुल कितना व्यय हुआ है;

(ग) क्या एएसआई ने रिक्त पदों को भरने हेतु कोई ठोस प्रयास किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) "अवश्य देखे जाने वाले स्मारक और भारतीय पुरातत्व स्थल" के पोर्टल पर चिन्हित स्मारकों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) विगत तीन वर्षों के दौरान एएसआई की प्रमुख उपलब्धियां क्या हैं तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान का अधिदेश क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) : 102 स्मारक/पर्यटक स्थलों के लिए विजन बोली प्रस्ताव के प्रस्तुतिकरण हेतु कुल 38 अभिकरणों को सूचीबद्ध किया गया है । घरोहर अपनाएं परियोजना के अंतर्गत, अब तक ग्यारह समझौता ज्ञापन हस्तारक्षरित किए गए हैं । समझौता ज्ञापन का ब्यौरा अनुबंध–क रूप में संलग्न हैं ।

(ख) : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में स्वीकृत 8426 पदों के सापेक्ष वर्तमान में, 5667 नियुक्त हैं । इसके अलावा संबंधित क्षेत्रों में अनुभव रखने वाले 20 परामर्शदाता संलग्न हैं। वेतन और भत्तों पर कुल व्यय क्रमशः 27721.57 लाख और 2596.27 लाख है ।

(ग) : जहाँ तक रिक्त पदों का संबंध है एएसआई ने उन्हें भरने के लिए समय-समय पर संघ लोक सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग के साथ और विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें करके तथा जहाँ आवश्यक हो, भर्ती नियमों में उपयुक्त संशोधन करके उन्हें भरने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं ।

(घ) : एएसआई पोर्टल पर अवश्य देखे जाने वाले उपलब्ध स्मारकों की सूची अनुबंध-ख के साथ संलग्न है ।

(ड.) : गत तीन वर्षों के दौरान एएसआई की प्रमुख उपलब्धियाँ अनुबंध-ग पर हैं ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान का अधिदेश, जो निम्नानुसार एएसआई के अन्तर्गत एक शैक्षणिक स्कंध हैं:

(क) पुरातत्व के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना तथा पुरातत्व में परास्नातक डिप्लोमा प्रदान करना ।

(ख) संग्रहालय, संरक्षण, कला इतिहास, पुरालेख, मुद्राशास्त्र, विरासत प्रबंधन, स्मारकों का परिक्षण तथा संबंधित विषयों में लघु अवधि पाठ्यक्रम संचालित करना ।

(ग) लाभकारी पद्धति में पुरातत्व पर सेमिनार/कार्यशाला, सम्मेलन और विशेष व्याख्यान आयोजित करना, ताकि इस क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त हों ।

****

अनुबंध क

'धरोहर अपनाओं' योजना की स्थिति के संबंध में दिनांक 22.07.2019 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +4580 के भाग (क) के उत्तर में विवरण

ग्यारह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुए हैं जो कार्यान्वयन की स्थिति के साथ ही नीचे सूचीबद्ध हैं:

1. 31 जनवरी, 2018 को गंगोत्री मंदिर तथा गौमुख, उत्तराखण्ड के लिए मार्ग और उसके आप-पास के क्षेत्र के लिए भारतीय रोमांचकारी यात्रा प्रचालक (एटीओएआई) ने हस्ताक्षर किए- मार्ग के लिए दो स्वच्छता अभियान पूर्ण । आगे कार्यकलापों की योजना तैयार की गई जिसमें संकेतक लगाना, वनरोपण तथा स्वच्छता अभियान शामिल है ।
2. 31 जनवरी, 2018 को माउण्ट स्टोक कांगड़ी मार्ग, लद्दाख, जम्मू एवं कश्मीर के लिए भारतीय रोमांचाकरी यात्रा प्रचालक (एटीओएआई) ने हस्ताक्षर किए- ट्रेक रुट का एक स्वच्छता अभियान पूरा हुआ । आगे संकेतक, डस्टबिन लगाना तथा स्वच्छता अभियान सहित कार्यकलापों की योजना बनाई गई ।
3. 13 अप्रैल, 2018 को लाल किला, नई दिल्ली के लिए मैसर्स डालमिया भारत लि. ने हस्ताक्षर किया- बेंच तथा डस्टबिन लगाने का कार्य पूर्ण, साउण्ड एवं लाइट शो के कार्यान्वयन का अग्रिम चरण, आगन्तुक केन्द्र, शौचालय और वाटर कियोस्क का परिचालन एवं रखरखाव कार्य प्रारम्भ किया गया है ।
4. 13 अप्रैल, 2018 को गंडीकोटा किला, आंध्र प्रदेश के लिए मैसर्स डालमिया भारत लि. ने हस्ताक्षर किया- बेंच डस्टबिन और संकेतक लगाने का कार्य पूर्ण, शौचालय उन्नयन कार्य प्रारम्भ किया गया है, शैचालय, वाटर कियोस्क तथा खंडजे का विकास कार्य का परिचालन एवं रखरखाव की योजना बनाई गई ।
5. सूरजकुण्ड, हरियाणा के लिए 16 सितम्बर, 2018 को मैसर्स ब्लिस इंडिया रिसार्ट प्रा. लि. ने हस्ताक्षर किया- सार्वजनिक सुविधाओं का योजनाबद्ध विकास/प्रचालन एवं रख रखाव, प्रदीप्तिकरण का संचालन एवं रखरखाव, बेंच स्थापित करना स्मारकों की स्वच्छता ।
6. जंतर-मंतर, दिल्ली के लिए 16 सितम्बर, 2018 को मैसर्स एपीजे सुरेन्द्र पार्क प्रा. लि. ने हस्ताक्षर किया- स्मारक की स्वच्छता, पेय जल सुविधाओं का उन्नयन, वाई-फाई तथा ऑडियो गाइड सुविधाओं की योजना की गई ।
7. कुतुब मीनार, दिल्ली के लिए यात्रा ऑनलाइन ने 27 सितम्बर, 2018 को हस्ताक्षर किया- शौचालयों का परिचालन एवं रखरखाव, वाई-फाई की स्थापना, पेय जल, प्रदीप्तिकरण, दीगी कियॉस्क तथा टिकट पटल, शू रैक, बेंचों के लिए डिजाइन स्तर पर हैं । ऑडियो गाइड विकास कार्य प्रगति पर है ।
8. अजंता की गुफाएं, महाराष्ट्र के लिए यात्रा ऑनलाइन ने 27 सितम्बर, 2018 को हस्ताक्षर किया- डस्टबिन, दीगी/टिकट कियॉस्क, संकेतक, शू रैक डिजाइन स्तर पर हैं । पेय जल का परिचालन/मरम्मत कार्य की योजना की गई । बेंचों, टिकट कियॉस्क, वाई-फाई आदि की स्थापना, ऑडियो गाइड का विकास कार्य प्रगति पर है ।
9. लेह महल, जम्मू एवं कश्मीर के लिए यात्रा ऑनलाइन ने 27 सितम्बर, 2018 को हस्ताक्षर किया- प्रदर्शनियां एवं संकेतक कार्य डिजाइन स्तर पर है । स्वच्छता कार्यकलाप की योजना तैयार की गई ।

10. हम्पी (हजार राम मन्दिर), कर्नाटक के लिए यात्रा ऑनलाइन ने 27 सितम्बर, 2018 को हस्ताक्षर किया- वहनीय कियॉस्क, संकेतक और डस्टबिन डिजाइन स्तर पर हैं । वाई-फाई तथा वहनीय रैम्प की सुनियोजित स्थापना।

11. पाँच प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों (आमेर किला, महाबोधी मंदिर, कोलवा समुद्र तट, काजीरंगा, कुमारकोम) के लिए बहु- भाषीय ऑडियो गाइड एप्लीकेशन के विकास के लिए मैसर्स रेसबर्ड **टेक्नोलॉजी** प्रा.लि. ने 24 दिसम्बर, 2018 को हस्ताक्षर किया- विषय सामग्री अनुमोदित तथा अनुवाद एवं रिकार्डिंग का कार्य प्रगति पर है।

****

अनुबंध - ख

'धरोहर अपनाओं' योजना की स्थिति के संबंध में दिनांक 22.07.2019 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +4580 के भाग (घ) के उत्तर में विवरण

एएसआई के स्मारक अवश्य देखें

क्र.सं.	एएसआई स्मारक के नाम	एएसआई सर्कल का नाम
1	ताज महल	आगरा सर्किल
2	आगरा का किला	आगरा सर्किल
3	स्मारक का समूह - फतेहपुर सीकरी	आगरा सर्किल
4	अकबर का मकबरा	आगरा सर्किल
5	सूर्य को समर्पित एक विशाल मंदिर, कटारमल	अमरावती सर्कल
6	जागेश्वर मंदिरों का समूह	अमरावती सर्कल
7	बैजनाथ मंदिरों का समूह	अमरावती सर्कल
8	बौद्ध स्तूप खण्डहर और अन्य अवशेष, अमरावती	अमरावती सर्कल
9	चार मंजिला रॉक-कट हिंदू मंदिर, उन्डावली	अमरावती सर्कल
10	बौद्ध स्मारक, गुंटापल्ले	अमरावती सर्कल
11	निचला किला (राजा और रानी महल), चंद्रगिरी	अमरावती सर्कल
12	अजंता की गुफाएँ	औरंगाबाद सर्कल
13	एलोरा की गुफाएँ	औरंगाबाद सर्कल
14	दारिया दौलतबाग	औरंगाबाद सर्कल
15	एलिफेंटा की गुफाएँ	औरंगाबाद सर्कल
16	छत्रपति शिवाजी टर्मिनस	औरंगाबाद सर्कल
17	राबिया दुरानी का मकबरा (बीबी का मकबरा)	औरंगाबाद सर्कल
18	दौलताबाद किला, दौलताबाद	औरंगाबाद सर्कल
19	पांडुलेना गुफाएं, महूर	औरंगाबाद सर्कल
20	औरंगाबाद गुफाएँ, औरंगाबाद	औरंगाबाद सर्कल
21	होयसलेश्वर मंदिर	बैंगलोर सर्कल
22	गोल गुम्बद	बैंगलोर सर्कल
23	बौद्ध स्तूप के प्राचीन उत्खनन स्थल अवशेष	बैंगलोर सर्कल
24	बहमनी का मकबरा	बैंगलोर सर्कल
25	बीदर का किला	बैंगलोर सर्कल
26	स्मारक समूह, पट्टडकल	बैंगलोर सर्कल
27	इब्राहिम रौज़ा	बैंगलोर सर्कल
28	जैन और वैष्णव मंदिर	बैंगलोर सर्कल
29	जैन मंदिर, लाकुंडी	बैंगलोर सर्कल
30	प्राचीन पैलेस स्थल और अवशेष, श्रीरंगपट्टन	बैंगलोर सर्कल
31	कर्नल बेली की कालकोठरी	बैंगलोर सर्कल

32	गुम्बज टीपू सुलतान के मकबरे से युक्त	बैंगलोर सर्कल
33	जुम्मा मस्जिद (मस्जिद -ए-आला)	बैंगलोर सर्कल
34	समुद्रतट के पास ओबिलिस्क स्मारक और किले की दीवारें	बैंगलोर सर्कल
35	वह स्थान जहाँ टीपू का शव मिला था	बैंगलोर सर्कल
36	नरसिंह मंदिर में श्री कांठेराव मूर्ति	बैंगलोर सर्कल
37	श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर	बैंगलोर सर्कल
38	थॉमस इनमैन की कालकोठरी	बैंगलोर सर्कल
39	अदिनाथ बसादी	बैंगलोर सर्कल
40	केदारेश्वर मंदिर	बैंगलोर सर्कल
41	संथीनाथ बसादी	बैंगलोर सर्कल
42	पार्स्वनाथ बसादी	बैंगलोर सर्कल
43	कल्याणी (ऑर्नेट स्टेप्ड टैंक)	बैंगलोर सर्कल
44	केशव मंदिर और शिलालेख	बैंगलोर सर्कल
45	केशव मंदिर, सोमनाथपुर	बैंगलोर सर्कल
46	टीपू सुल्तान का महल, बैंगलोर	बैंगलोर सर्कल
47	चित्रदुर्ग किला, चित्रदुर्ग	बैंगलोर सर्कल
48	**1** से **20** गुफाएँ, उदयगिरि	भोपाल सर्किल
49	ग्वालियर का किला	भोपाल सर्किल
50	शिव मंदिर	भोपाल सर्किल
51	चंदेरी का स्मारक	भोपाल सर्किल
52	सांची में बौद्ध स्मारक	भोपाल सर्किल
53	भीमबेटका के रॉक शेल्टर	भोपाल सर्किल
54	खजुराहो के स्मारक समूह	भोपाल सर्किल
55	बुधवादी गुफाएँ, बाग़	भोपाल सर्किल
56	किले में महल, बुरहानपुर	भोपाल सर्किल
57	होशंग शाह का मकबरा, मांडु	भोपाल सर्किल
58	स्मारकों का समूह, मांडु	भोपाल सर्किल
59	रूपमती का मंडप, मांडु	भोपाल सर्किल
60	मंदिर का पश्चिमी समूह, खजुराहो	भोपाल सर्किल
61	उदयगिरि और खंडगिरी की गुफाएं	भुवनेश्वर सर्किल
62	अशोकन रॉक एडिक्ट और हाथी की मूर्ति	भुवनेश्वर सर्किल
63	सूर्य मंदिर, कोणार्क	भुवनेश्वर सर्किल
64	राजरानी मंदिर, भुवनेश्वर	भुवनेश्वर सर्किल
65	रत्नागिरी स्मारक	भुवनेश्वर सर्किल
66	बौद्ध मंदिरों के अवशेष और चित्र, ललितगिरि	भुवनेश्वर सर्किल
67	शेख चिल्ली का मकबरा, थानेसर	चंडीगढ़ सर्किल
68	सूरजकुंड, लखरपुर	चंडीगढ़ सर्किल
69	ग्रेट लिविंग चोल मंदिर	चेन्नई सर्कल
70	स्मारकों का समूह महाबलीपुरम	चेन्नई सर्कल

71	किला, तिरुमयम	चेन्नई सर्कल
72	गिंगी किला (राजगिरी और कृष्णगिरि), गिंगी	चेन्नई सर्कल
73	किला डिंडीगुल	चेन्नई सर्कल
74	मुवरकोइलकोडामबालुर	चेन्नई सर्कल
75	रॉक कट जैन मंदिर, सीतानसाल	चेन्नई सर्कल
76	प्राकृतिक गुफा कहा जाने वाला एलाडीपल्लनम	चेन्नई सर्कल
77	फोर्ट सेंट जॉर्ज, चेन्नई	चेन्नई सर्कल
78	लाल किला	दिल्ली सर्कल
79	कुतुब मीनार	दिल्ली सर्कल
80	हुमायूँ का मकबरा	दिल्ली सर्कल
81	सुल्तानगिरी मकबरा	दिल्ली सर्कल
82	तुगलकाबाद	दिल्ली सर्कल
83	खान-ए- खाना	दिल्ली सर्कल
84	दुर्गा मंदिर, आइहोल	धारवाड़ सर्कल
85	चर्च और गोवा के काफिले	गोवा सर्कल
86	विष्णुडोल, शिवसागर	गुवाहाटी सर्कल
87	शिवडोल, शिवसागर	गुवाहाटी सर्कल
88	देवीडोल, शिवसागर	गुवाहाटी सर्कल
89	विष्णुडोल, जोयसागर	गुवाहाटी सर्कल
90	देवीडोल, जोयसागर	गुवाहाटी सर्कल
91	शिवडोल, जोयसागर	गुवाहाटी सर्कल
92	घनश्याम का घर, जोयसागर	गुवाहाटी सर्कल
93	अहोम समय की आठ तोपें, जोयसागर	गुवाहाटी सर्कल
94	रंगहार, जोयसागर	गुवाहाटी सर्कल
95	करेंघर (तलातलघर), जोयसागर	गुवाहाटी सर्कल
96	गोला-घर या पत्रिका घर, जोयसागर	गुवाहाटी सर्कल
97	विष्णुडोल, गौरीसागर	गुवाहाटी सर्कल
98	देवीडोल, गौरीसागर	गुवाहाटी सर्कल
99	शिवडोल, गौरीसागर	गुवाहाटी सर्कल
100	गौरीसागर टैंक, गौरीसागर	गुवाहाटी सर्कल
101	अहोम राजा का महल, गढ़गांव	गुवाहाटी सर्कल
102	चार मैडाम्स का समूह, चराइदेव	गुवाहाटी सर्कल
103	वांग्छिया समूह के स्मारक, मिजोरम	गुवाहाटी सर्कल
104	स्मारकों का समूह, हम्पी	हम्पी सर्कल
105	बेल्लारी का किला	हम्पी सर्कल
106	नागार्जुनकोंडा	हैदराबाद सर्कल
107	चारमीनार, हैदराबाद	हैदराबाद सर्कल
108	गोलकुंडा का किला	हैदराबाद सर्कल
109	वारंगल का किला	हैदराबाद सर्कल

110	दीग महल	जयपुर सर्कल
111	रणथंभौर का किला	जयपुर सर्कल
112	चित्तौड़गढ़ का किला	जोधपुर सर्कल
113	कुंभलगढ़ का किला	जोधपुर सर्कल
114	कोच बिहार पैलेस	कोलकाता सर्कल
115	हजारदुआरी पैलेस	कोलकाता सर्कल
116	मंदिरों का समूह बिष्णुपुर	कोलकाता सर्कल
117	सहेत-महेत का स्थल	लखनऊ सर्किल
118	कालिंजर का किला	लखनऊ सर्किल
119	झांसी का किला	लखनऊ सर्किल
120	रेजीडेंसी भवन	लखनऊ सर्किल
121	शाक्य के स्थल, स्तूप और मठ	लखनऊ सर्किल
122	अवशेष स्तूप वैशाली	पटना सर्किल
123	नालंदा महावीर	पटना सर्किल
124	लक्ष्मण मंदिर और पुराने स्थल	रायपुर सर्कल
125	हिडिम्बा देवी मंदिर	शिमला सर्कल
126	अंदर और बाहर लगी मूर्तियों के साथ रॉक-कट मंदिर	शिमला सर्कल
127	बौद्ध मठ (तबो)	शिमला सर्कल
128	मार्तंड का प्राचीन मंदिर	श्रीनगर सर्कल
129	प्राचीन स्थल और अवशेष, बुर्जहोम	श्रीनगर सर्कल
130	मंदिरों का समूह, किरामची	श्रीनगर सर्कल
131	प्राचीन महल रामनगर	श्रीनगर सर्कल
132	अवंतीस्वामिन	श्रीनगर सर्कल
133	प्राचीन महल, लेह	श्रीनगर सर्कल
134	कुडाकल्लू पराम्बू (चेरामंगद)	त्रिशूर सर्कल
135	सूर्य मंदिर, मोधेरा	वडोदरा सर्कल
136	अशोकन रॉक एडिकट्स	वडोदरा सर्कल
137	चंपानेर-पावागढ़ पुरातत्व पार्क	वडोदरा सर्कल
138	रानी की बावली	वडोदरा सर्कल

****

अनुबंध-ग

'धरोहर अपनाओं' योजना की स्थिति के संबंध में दिनांक 22.07.2019 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +4580 के भाग (ङ) के उत्तर में विवरण

1. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की स्थापना वर्ष 1861 में हुई । यह संस्कृति मंत्रालय, भारत का संबद्ध कार्यालय है । इस संगठन के अध्यक्ष महानिदेशक है । एएसआई पूरे देश में फैले हुए 37 विश्व विरासत स्मारकों तथा 48 स्थल संग्रहालयों सहित राष्ट्रीय महत्व के 3697 केंद्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों की सुरक्षा, संरक्षण तथा परिरक्षण में संलग्न है, जो सीधे एएसआई के अधीन हैं । देश में एतिहासिक स्थलों का उत्खनन प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1958 के संदर्भ में है । एएसआई पुरावशेष तथा कला निधि अधिनियम, 197 तथा भारतीय निधि अधिनियम 1878 का संचालन भी कर रहा है ।

2. विभिन्न राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में अवस्थित 3 मिनी सर्किल (दिल्ली, लेह तथा हम्पी) तथा 5 क्षेत्रीय निदेशालय (दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, बैंगलूर तथा भोपाल) के अलावा एएसआई के 29 सर्किल हैं जिनके प्रमुख अधीक्षक पुरातत्वविद हैं जिनके माध्यम से एएसआई उपरोक्त कार्यकलाप करता है । इनके अलावा, 6 उत्खनन शाखाएं, 2 मंदिर सर्वेक्षण परियोजनाएं, 1 भवन सर्वेक्षण परियोजना 1 प्रागितिहास शाखा, 1 विज्ञान शाखा, 2 पुरालेख शाखाएं, (मैसूर में एक संस्कृत और द्रविड़ियन के लिए तथा नागपुर में एक अन्य अरबी तथा पारसी के लिए) तथा एक बागवानी शाखा जिसके 4 प्रभाग आगरा, दिल्ली, मैसूर तथा भुवनेश्वर में है ।

प्रमुख उपलब्धियां

3. स्मारकों का संरक्षण:

3.1 एएमएएसआर अधिनियम के अंतर्गत 08 स्मारकों को संरक्षित घोषित करते हुए अंतिम अधिसूचना आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित करा दी गई है ।

3.2 सर्वेक्षण मानचित्र की तैयारी: 250 संरक्षित स्मारकों के संबंध में एएमएएसआर अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के अनुसार सर्वेक्षण मानचित्र तैयार किए गए हैं ।

3.3 एएमएएसआर अधिनियम का संशोधन: जहां तक सेक्शन 20ए और उसके बाद के संशोधन से संबंधित है । प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1958 (2010 में संशोधित) में आगे और संशोधन के लिए बिल लोक सभा में शीतकालीन सत्र, 2017 द्वारा पास कर दिया गया है । इस बिल को राज्य सभा की चयन समिति को भेज दिया गया है ।

3.4 विरासत उप-नियम: एएमएएसआर अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के अनुसार, सभी संरक्षित स्मारकों/स्थलों के लिए विरासत उप-निमय बनाए जाने हैं । 70 स्मारकों के लिए विरासत उपनियम तैयार कर लिए गए हैं तथा अधिसूचना के लिए राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को भेज दिए गए हैं ।

3.5 ध्वनि एवं प्रकाश शो: निम्नलिखित स्मारकों में ध्वनि एवं प्रकाश शो के लिए अनुमति प्रदान कर दी गई है (i) प्राचीन स्थल, सारनाथ, (ii) दीव फोर्ट, दीव (iii) चंपानेर पावागढ़ स्मारक (iv) वृहदेश्वर मंदिर, थंजावुर, तमिलनाडु (v) सूर्य मंदिर, कोणार्क तथा (vi) सेंट अंजेलो किला, कन्नूर (vii)

सांची स्तूप तथा (viii) हिंडोला महल, मांडु । एएसआई के समर्थन से कोणार्क, सांची तथा मांडु में ध्वनि एवं प्रकाश शो संबंधित राज्य पर्यटन विभागों द्वारा चलाया जा रहा है ।

3.6 ऑन लाइन टिकटिंग : 27 और अधिक स्मारक टिकटेड स्मारकों के रूप में अधिसूचित किए गए हैं । प्रवेश टिकट की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा का विस्तार वर्तमान 116 स्मारकों तथा 30 संग्रहालयों के अलावा 27 नए टिकेटेड स्मारकों के लिए भी विस्तारित कर दिया गया है । बुक माई शो तथा यात्रा.कॉम के अलावा पांच और प्रतिष्ठित वेबसाइटों की पहचान ऑनलाइन टिकट बुकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए की गई है ।

3.7 घूमने वाला दरवाजा: आगंतुकों के प्रवेश को नियमित करने के लिए 9 प्रमुख स्मारकों पर घूमने वाले गेट लागए गए हैं तथा 03 और स्मारकों पर घूमने वाले गेट लगाने के लिए आदेश जारी कर दिए गए हैं ।

3.8 आदर्श स्मारक: केंद्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, विकास के प्रति समग्र दृष्टिकोण रखते हुए एएसआई ने पूरे देश में आदर्श स्मारकों सहित 153 स्मारकों की पहचान की है जिन्हें प्रथम चरण में मॉडल स्मारकों के रूप में संरक्षित तथा विकसित किया जाना है । ये स्मारक सभी मूलभूत सुविधाओं जैसे वाशरूम, पेयजल, संकेतक, कैफेटेरिया, व्याख्यान केंद्र, वाई-फाई सुविधा आदि से सुसज्जित होंगे । 39 स्मारकों पर आधुनिक सुविधाओं के साथ शौचालयों का निर्माण पूरा कर लिया गया है ।

3.9 एएसआई साइट अवश्य देखें: एएसआई ने फीचर्स वाली अपनी एक अलग वेबसाइट www.asimustsee.nic.in विकसित और होस्ट की है जिसमें एएसआई के संरक्षण में उत्कृष्ट भारतीय स्मारक तथा पुरातात्विक स्थल तथा यूनेस्को विश्व विरासत सूची में शामिल स्थल है ।

3.10 स्वच्छ भारत अभियान: स्वच्छ भारत अभियान के एक भाग के रूप में सभी एएसआई स्मारकों, संग्रहालयों तथा कार्यालयों को स्वच्छ रखने के प्रयास जोरदार तरीके से जारी रखे गए ।

4. स्मारकों का संरक्षण:

4.1 एएसआई अपने संरक्षण के अधीन स्मारकों का वार्षिक रख रखाव तथा विशेष मरम्मत करता है। वर्ष के दौरान संरक्षण के लिए आवंटित बजट का 99.9% उपयोग किया गया है ।

4.2 वर्ष के दौरान ताजमहल, आगरा का किला, लाल किला, कुतुब मीनार, पुराना किला, नई दिल्ली में, पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर, सूर्य मंदिर, कोणार्क, हम्पी स्मारकों का समूह, हम्पी, ऐलीफेंटा की गुफाएं, असम में शिवसागर में मंदिर समूह, मेटकॉफ हाउस, प्राचीन मुद्रा भवन, कोलकाता, मान महल, वाराणसी लेह पैलेस आदि पर प्रमुख संरक्षण/विकास कार्य किए गए ।

4.3 विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर एएसआई ने उस मंत्रालय की निधियों से विदेशों में भी संरक्षण कार्य किया । इनमें निम्न शामिल है:

कंबोडिया में ता प्रोम मंदिर का संरक्षण कार्य,
लाओ पीडीआर में वाट-फू मंदिर,
म्यांमार के बागान में भूकंप से क्षतिग्रस्त स्मारकों का संरक्षण कार्य
वियतनाम में माई सन ग्रुप स्मारकों का पुनरोद्धार ।

4.4 विभिन्न स्मारकों पर चारदीवारी तथा शौचालय ब्लॉक का निर्माण कार्य जारी रखा गया जो वापकोस तथा टीसीआईएल की सहायता से किया गया । इसके अलावा, 125 आदर्श तथा टिकट वाले स्मारकों में विभिन्न विकास कार्य जैसेकि, टिकट काउंटर्स, प्रकाशन काउंटर्स, पाथवे, पार्किंग, कैफेटेरिया आदि किए गए ।

4.5 बागवानी : एएसआई का बागवानी प्रभाग देश में 576 बागों का रख रखाव करता है । किए गए प्रमुख कार्यों में लाल किला, दिल्ली, कुतुबमीनार, सफदरजंग किला, ताजमहल, फतेहपुर सीकरी, मांडु में स्मारक, सांची, सूर्य मंदिर, कोणार्क तथा महाबलीपुरम के स्मारक शामिल हैं ।

5. विज्ञान शाखा: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की विज्ञान शाखा की मुख्य भूमिका केंद्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों, विरासत भवनों तथा उत्खनित संग्रहालय वस्तुओं का अपनाई गई वैज्ञानिक पद्धतियों से संरक्षण तथा परिरक्षण करना है । ये पद्धतियां उनकी परिसंपत्ति के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत की सौन्दर्य संभावना को बनाए रखने में मदद करती हैं । वैज्ञानिक शाखा के वैज्ञानिक संरक्षण एवं परिरक्षण के इस उद्देश्य को निदेशक (विज्ञान), देहरादून के कार्यालय के तहत देश भर में कार्यरत 03 मण्डल कार्यालयों, 09 क्षेत्रीय कार्यालय और 02 प्रयोगशालाओं के इनके व्यापक नेटवर्क के साथ हासिल किया गया है।

5.1 रासायनिक संरक्षण: वर्ष के दौरान लगभग विज्ञान शाखा द्वारा 4 स्मारकों, चित्रों, संग्रहालयों तथा कला वस्तुओं के 134 वैज्ञानिक संरक्षण कार्य किए गए । इसके अलावा, ताजमहल, आगरा, उत्तर प्रदेश, बीबी का मकबरा, औरंगाबाद, महाराष्ट्र तथा चारमीनार, हैदराबाद में हवा की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जाती है ।

6. प्रशासन:

6.1 प्रत्यक्ष कोटा के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों के पदों में 1073 रिक्त पदों को यूपीएससी/एसएससी द्वारा भरा गया । पदोन्नति कोटा के अंतर्गत 80 पद को समय पर डीपीसी आयोजित करके भरे गए ।

6.2 वर्ष के दौरान, मुख्य रूप से संरक्षण ब्रांच के 13 विभिन्न संवर्गों के भर्ती नियमों की समीक्षा की गई और संशोधित नियमों को आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित किया गया । पुरातत्व शाखा में पदों के लिए भर्ती नियम के मसौदों के संशोधन प्रस्तावों को डीओपीटी द्वारा अनुमोदित किया गया है और यूपीएससी को प्रस्तुत किया गया है ।

6.3 प्रमुख आधिकारिक कार्य: वर्ष के दौरान निम्नलिखित आधिकारिक आयोजन सफलतापूर्वक आयोजित किए गए:

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 24 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में एएसआई के नए भवन ''धरोहर भवन'' का उद्घाटन किया गया ।

सुभाष चन्द्र बोस की आजाद हिंद फौज द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने की 75वीं सालगिरह पर लाल किले पर, दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा स्मरणोत्सव का आयोजन किया गया ।

04 नव निर्मित संग्रहालयों का लाल किला, दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन ।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंस्टीट्यूट के नए भवन का उद्घाटन । एनबीसीसी 289 करोड़ रु. की लागत से 17 महीने के रिकार्ड समय में भवन का कार्य पूरा कर लिया गया ।
कोलकाता में मेटकॉफ हाउस के नए संग्रहालय का माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल द्वारा उद्घाटन ।

6.4 ई-गवर्नेस: ई गवर्नेस परियोजना के सभी प्रमुख मॉड्यूल/घटकों का विकास 9.00 करोड़ रु. की लागत पर वेंडर के माध्यम से सतत निगरानी द्वारा पूरा किया गया तथा यह वर्ष के अंत तक मई, 2019 से शुरू करने के लिए तैयार था । यह एएसआई के सभी फील्ड कार्यालयों को कॉमन ई प्लेटफार्म से संयोजित करेगा जिससे पेपरलैस ऑफिस बनाने तथा त्वरित निर्णय लेने में सुविधा होगी । यह पिछले एक वर्ष से एएसआई के मुख्यालय में ई-ऑफिस के संचालन के अलावा है ।

6.5 एएसआई मुख्यालय, नई दिल्ली में ई-ऑफिस: 1 मई, 2018 से एएसआई मुख्यालय, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक और इष्टतम रूप से कार्यान्वित हो चुका है । एएसआई के ई-ऑफिस में ई-फाइल्स के माध्यम से एएसआई से संबंधित कार्यालय के कार्य की पर्याप्त मात्रा/प्रस्तावों का निपटान किया जा रहा है ।

6.6 वीडियो कांन्फ्रेंसिंग वर्ष के दौरान फील्ड कार्यालयों के साथ नियमित वार्तालाप को सुविधाजनक बनाने तथा सरकारी कार्य के लिए मुख्यालय के लिए बार-बार यात्रा करने की अधिकारियों की आवश्यकता को समाप्त करने के लिए समर्पित लीज्ड लाइन इंटरनेट संकपर्कता के माध्यम से 35 फील्ड कार्यालय को वीडियो कांफ्रेंसिग के तहत लाया गया है ।

7. विश्व विरासत: वर्ष के दौरान, विक्टोरियन एंड आर्ट डेको एनसेंबल ऑफ मुंबई को बहरीन में आयोजित विश्व विरासत समिति के 42वें सत्र में विश्व विरासत के रूप में घोषित किया गया । इस प्रकार भारत में अब 37 विश्व विरासत स्थल है । इसके अलावा, भारत ने विश्व विरासत केंद्र को रुद्रेश्वर (रामाप्पा) मंदिर, पालमपेट, तेलंगाना का एक पूर्ण नामांकन डोजियर भेजा है ।

एएसआई की यूनेस्को विश्व विरासत सूची, में तीन स्थलों/स्मारकों का वर्णन कराने में सफल रहा। जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	शिलालेख वर्ष	संपत्ति का नाम
1.	2017	अहमदाबाद का ऐतिहासिक शहर
2.	2018	विक्टोरियन आर्ट डेको एंसेम्बल ऑफ मुंबई
3.	2019	जयपुर शहर, राजस्थान

8. अन्वेषण एवं उत्खनन

अवधि 2016-17 और 2017-18

केसरिया (पूर्वी चंपारण) बिहार में उत्खनन
फुपगांव (अमरावती) महाराष्ट्र में उत्खनन

असुरगढ़ किला (कालाहांडी) ओडिशा में उत्खनन
गोटीप्रोलु (नेल्लोर) आंध्र प्रदेश में उत्खनन:
वडनगर, तरंगा और गुंजा (मेहसाणा) गुजरात में उत्खनन

अवधि 2018-19

पुराना किला में उत्खनन
सेसर ला पास, लद्दाख में उत्खनन (लद्दाख में सेसर ला पास में नौवीं सहस्राब्दी ईसा पूर्व के एक प्राचीन शिविर स्थल, की खोज की गई है)
बिजनौर, श्रीगंगानगर, राजस्थान में हड़प्पास्थल
बरनावा, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश में प्राचीन स्थल
सनौली, जिला बागपत, उत्तर प्रदेश में प्राचीन स्थल
वडनगर, गुजरात में उत्खनन
ऋतिरंजन, जिला नागपुर, महाराष्ट्र में उत्खनन
उरेन, जिला लखीसराय, बिहार में उत्खनन
किलाडी, तालुक त्रिपुवनाम जिला शिवगंगा, तमिलनाडु में उत्खनन-शाखा उत्खनन बैंगलोर द्वारा किया गया
उत्तर कछार हिल्स, जिला दिमा हासाओ, असम में अन्वेषण पूर्व-इतिहास शाखा, एएसआई, नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा किया गया
सिंगरौली और आस-पास की धार्मिक स्थलों में अन्वेषण, जिला सिंगरौली-भारतीय मंदिर सर्वेक्षण, एएसआई, भोपाल, मध्य प्रदेश द्वारा किया गया ।
2016-18 के दौरान गांव से गांव का सर्वेक्षण कार्य

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	कुल गांवों का सर्वेक्षण	पुरातात्विक अवशेष वाले गांवों की संख्या
1.	2016-17	1528	462
2.	2017-18	576	215

फील्ड सत्र 2018-19 के दौरान, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) सहित विभिन्न एजेंसियों से उत्खनन के लिए कुल 51 प्रस्ताव और खुदाई के लिए 72 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे । एएसआई द्वारा उनके क्षेत्र कार्यालयों से संबंधित उत्खनन की अनुमति दी गई थी:

फुपगांव, महाराष्ट्र (उत्खनन शाखा I, नागपुर)
केसरिया, बिहार (उत्खनन शाखा III, पटना)
राजोना, बिहार (उत्खनन शाखा III, पटना)
वडनगर, तरंगा और गुंजा, गुजरात (उत्खनन शाखा **V**, वडोदारा)
गोटीप्रोलु, आंध्र प्रदेश (उत्खनन शाखा **VI**, बैंगलोर)
असुरगढ़, ओडिशा (उत्खनन शाखा **IV**, भुवनेश्वर)
सनौली, उत्तर प्रदेश (पुरातत्व संस्थान)
जनमपेट, आंध्र प्रदेश (हैदराबाद सर्कल)
वांग्छिया, मिजोरम (आईजॉल सर्कल)

सिरसा में थेर टीला, हरियाणा (चंडीगढ़ सर्किल)
ढोलावीरा, गुजरात (वडोदारा सर्कल)
नवपाषाण स्थल, दीजोब्रा हादीन, असम (प्रागैतिहासिक शाखा)
चन्द्रपुर, महाराष्ट्र (प्रागैतिहासिक शाखा) में नागभीड, पौनी, ब्रह्मपुरी में मेगालिथिक स्थलों की खोज
सीधी और सिंगरौली जिले की धार्मिक वास्तुकला, मध्य प्रदेश (टीएसपी, उत्तर, भोपाल)
काकतीय, आंध्र प्रदेश के संरचनात्मक मंदिरों का सर्वेक्षण (टीएसपी, दक्षिण, चेन्नई)
सरस्वती नदी के सूखे तटों पर उत्खनन, हरियाणा (चंडीगढ़ सर्किल)

9. पुरालेख शाखा:

9.1 पुरालेख शाखा, मैसूर: पुरालेख निदेशालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने पुरालेख सर्वेक्षण किए तथा विभिन्न राज्यों से 504 लेखों को कॉपी किया तथा बिहार से लगभग 14 सीलिंग के चित्र लिए ।

9.2 पुरालेख ब्रांच, नागपुर: स्पष्टीकरण तथा परिग्रहण के लिए चयनित स्थानों से 111 अरबी, पारसी तथा उर्दू शिलालेख कॉपी किए गए । लगभग 10,000 दक्षिण तथा उत्तर भारतीय शिलालेखों के 15 विद्वानों को लगाया गया है ।

10. संग्रहालय: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार क्षेत्र में 48 पुरातात्विक स्थल संग्रहालय हैं अर्थात् उत्तर में कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) से दक्षिण में फोर्ट सेंट जॉर्ज (चेन्नई, तमिलनाडु) तथा पूर्व में श्री सूर्य पहाड़ (ग्वालपाड़ा पारा, असम) से पश्चिम में ढोलाविरा (कच्छ, गुजरात) वर्ष 2016-19 के दौरान संग्रहालय अनुभाग द्वारा अनेक महत्वपूर्ण कार्यकलाप किए गए जो निम्नवत है:

10.1 एक प्रदर्शनी ''होर्ड आफ चाइनीज पोर्सिलेन'' : फिरोजशाह कोटला की एक दुर्लभ खोज को 19 नवम्बर, 2017 को क्वार्टर गार्ड, लाल किला, दिल्ली में खोला गया । इस प्रदर्शनी में फिरोजशाह तुगलक की रसोई में उपयोग किए गए 14वीं शताब्दी के चीनी मिट्टी के बर्तनों का विशिष्ट संग्रह प्रस्तुत किया गया ।

10.2 एएसआई के 7 और पुरातत्व स्थल संग्रहालयों पर जटन सॉफ्टवेयर प्रोग्राम का उपयोग करते हुए डिजिटाइजेशन कार्य विचाराधीन है ।

10.3 पुरातत्व संग्रहालय, शिवपुरी (मध्य प्रदेश) को 18 मई, 2018 को जनता के लिए खोला गया ।

10.4 आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम, ललितगिरि (ओडिशा) का उद्घाटन दिनांक 05.01.2019 को अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ भारत के माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से किया गया ।

10.5 भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 23.01.2019 को लाल किले पर तीन नवीनीकृत संग्रहालयों नामश: 1857 भारत का प्रथम स्वतंत्रता युद्ध'' बी1 कोलोनियल बिल्डिंग में; ''याद-ए-जालियां'' बी2 कोलोनियल बिल्डिंग में, तथा ''नेताजी सुभाषचन्द्र बोस एंड इंडियन आर्मी'' बी3 कोलोनियल बिल्डिंग में उद्घाटन किया । इसके अतिरिक्त 16वीं शताब्दी (यूरोपीय कलाकारों का

आगमन) से देश की आजादी तक भारतीय कला संग्रह तथा अन्य भारतीय कलाकृतियों को दर्शाने के लिए बी4 कॉलोनियल बिल्डिंग में 'दृश्य कला' नामक एक अस्थाई प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया।

10.6 भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिनांक 19.02.2019 को मन महल, वाराणसी में एक वर्चुअल एक्सपीरियंशियल म्यूजियम का उद्घाटन किया ।

10.7 माननीय संस्कृति मंत्री ने दिनांक 04.03.2019 को एल4 कॉलोनियल बिल्डिंग, लाल किला, दिल्ली में 'आजादी के दीवाने संग्रहालय' का उद्घाटन किया ।

10.8 पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल ने दिनांक 08.03.2019 को मेटकाफ हॉल, कोलकाता में 'आमी कोलकाता' नामक एक अस्थाई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जिसमें कोलकाता की संस्कृति और परंपराओं को दर्शाया गया ।

11. पुरावशेष

11.1 माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने जून 2016 में अपनी यूएसए यात्रा के दौरान भारत से तस्करी के माध्यम से यूएसए को भेजें गए 17 पुरावशेषों की वापसी का प्रबंध किया । इनमें से आठ पुरावशेष भारत को लौटाए जा चुके हैं और शेष नौ के लौटाने के संबंध में प्रक्रिया जारी है ।

11.2 ऑस्ट्रेलिया से नटराज की कांसे की प्रतिमा और अर्धनारीश्वर की प्रस्तर प्रतिमा पहले ही वापस लाई जा चुकी है जबकि तीन मूर्तियां यथा बैठे हुए बुद्ध, प्रत्यंगिरा तथा बुध पैनल को वापस लाने की प्रक्रिया चल रही है । कनाडा से पैरट लैडी की एक प्रस्तर प्रतिमा और जर्मनी से दुर्गा की एक प्रस्तर प्रतिमा को वापस लाया गया है ।

11.3 भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट, न्यूयॉर्क से अवैध रूप से निर्यातित 2 प्रतिमाओं को वापस लाने में सफलता प्राप्त की है । महिषासुरमर्दिनी की प्रतिमा बैजनाथ (कुमायूं, उत्तराखंड) से चुराई गई थी जबकि बोधिसत्व का शीष नागार्जुनकोंडा, आंध्र प्रदेश से चुराया गया था । श्री जॉन गॉय, वरिष्ठ संग्रहालय अध्यक्ष, मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट, न्यूयॉर्क, इन दोनों प्रतिमाओं को दिनांक 10.08.2018 को भारत वापस लाएं ।

12. राष्ट्रीय संस्कृति निधि: एएसआई ने विश्व विरासत स्थलों सहित चुनिंदा महत्वपूर्ण स्मारकों में संरक्षण कार्य के साथ-साथ पर्यटकों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए वित्त पोषण हेतु अनेक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ साझेदारी की है । संस्कृति मंत्रालय/एनसीएफ ने भारतीय कंपनी विधेयक 2013 के सीएसआर दिशानिर्देशों में" विरासत के संरक्षण और कला एवं संस्कृति के संवर्धन" को शामिल करने की पहल की थी और इसे कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा सीएसआर संबंधी दिशानिर्देशों में शामिल किया गया था । वर्तमान में एएसआई द्वारा संरक्षित 18 स्मारकों में 12 एजेंसियां संरक्षण एवं सुविधा संबंधी परियोजनाओं का वित्तपोषण कर रही हैं ।

13. स्मारक एवं पुरावशेष संबंधी राष्ट्रीय मिशन: गौण स्रोतों तथा विरासत एवं स्थलों से संबंधित राष्ट्रीय डाटाबेस तथा देश में संग्रहालय एवं विभिन्न स्रोतों से पुरावशेष संबंधी राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार करने के उद्देश्य से 11वीं पंचवर्षीय योजना में 5 वर्ष की अवधि अर्थात 2007- 2012 के लिए स्मारक एवं पुरावशेष संबंधी राष्ट्रीय मिशन (एनएमएमए) को अनुमोदित किया गया था । गति को बनाए रखने के

लिए स्थाई वित्त समिति (एसएफसी) ने 12वीं पंचवर्षीय योजना(2012-17) के दौरान केंद्रीय योजना के रूप में इसे जारी रखने की सिफारिश की । एन एम एम ए के उद्देश्य की विशालता एवं महत्व को ध्यान में रखते हुए इस योजना (एनएमएमए) को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ विलय करते हुए इसे जारी रखने का निर्णय लिया गया है ।

13.1 विभिन्न गौण स्रोतों से पुरावशेष एवं निर्मित विरासत तथा स्थलों का अभिलेखन

एनएमएमएमए ने खुदाई शाखा-II, पुराना किला, नई दिल्ली में रखे गए लगभग 48743 पुरावशेषों का अभिलेखन किया है ।
दिनांक 31.03.2019 की स्थिति के अनुसार कुल लगभग 1662743 पुरावशेषों का अभिलेखन किया गया है ।
प्राथमिक सर्वेक्षण के माध्यम से 258 निर्मित विरासतों एवं पुरातत्व अवशेषों वाले स्थलों (असंरक्षित) का अभिलेखन किया गया है ।

13.2 एमएमएमए की वेबसाइट पर पुरावशेषों के अभिलेखित डाटा को अपलोड करना

इस अवधि के दौरान एनएमएमए की वेबसाइट पर 6,92,152 पुरावशेषों के अभिलिखित डाटा को अपलोड किया गया ।
दिनांक 31.03.2019 तक एनएमएमए की वेबसाइट पर 9,32,152 पुरावेशेषों के अभिलेखित डाटा को अपलोड किया गया है ।

14. प्रकाशन: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मुख्य रूप से सर्वेक्षण के उन अधिकारियों द्वारा तैयार तकनीकी रिपोर्ट जारी करता है जिन्होंने खोज, खुदाई, पुरातत्व सर्वेक्षण, संरक्षण, पुरालेख, मुद्रा संकलन, कला एवं संबंधित पहलू जो उनके कार्यकलापों के दायरे में आते हैं, जैसे पुरातत्व क्षेत्रों में कार्य अथवा अनुसंधान किया हो ।

14.1 समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित प्रकाशन जारी किए गए हैं अथवा मुद्रण की प्रक्रिया पूरी की गई है:

शैक्षणिक प्रकाशन

i. धालेवान के संबंध में खुदाई रिपोर्ट का प्रकाशन किया (1999- 2000 और 2001-2002)
ii. जम्मू एवं कश्मीर पर मोनोग्राफ प्राकशन अंतिम चरण में है ।
iii. एपिग्राफिकल प्रकाशन: दक्षिण भारतीय शिलालेख (खंड 36 और 37); वार्षिक रिपोर्ट (2003-04 तथा 2017-18) वर्ष 2018 में प्रकाशित किए गए ।

15. पुरातत्व संस्थान: एएसआई के तहत पुरातत्व संस्थान का एक नया परिसर नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में बनाया गया है । इस संस्थान का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान रखा गया है जिसका उद्घाटन 9 मार्च, 2019 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया तथा उद्घाटन के दौरान श्री योगी आदित्य नाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, डॉ. महेश शर्मा, संस्कृति मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अरुण गोयल, सचिव (संस्कृति),

श्रीमती ऊषा शर्मा, महानिदेशक, एएसआई तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे । यह संस्थान अब अपने नये परिसर से कार्य कर रहा है ।

15.1 संस्थान का उद्देश्य, जो एएसआई के तहत शैक्षणिक विंग है, निम्नानुसार है:

पुरातत्व के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने और पुरातत्व में पीजी डिप्लोमा प्रदान कराना ।
म्यूजियोलॉजी, कंजर्वेशन, आर्ट हिस्ट्री, एपिग्राफी, न्यूमिसमैटिक्स हेरिटेज मैनेजमेंट, प्रिजर्वेशन ऑफ मॅन्यूमेंट्स और अन्य संबंधित विषयों में लघु अवधि पाठ्यक्रम संचालित करना ।
पुरातत्व में सेमिनार/कार्यशालाओं, सम्मेलनों और विशष व्याख्यान का आयोजन लाभकारी तरीके से करना ताकि क्षेत्र में नए क्षेत्रों को खोला जा सके ।

शैक्षणिक गतिविधियां :

विभिन्न विषयों यथा पुरातत्व के सिद्धांत और विधियां, पुरातत्व में विज्ञान के अनुप्रयोग, पूर्व-इतिहास, कला और चिह्न विज्ञान, वास्तुकला, पुरालेख और न्यूमिसमेटिक्स, संग्रहालय विज्ञान, स्मारकों का संरचनात्मक संरक्षण, स्मारकों के रासायनिक संरक्षण और पुरावशेष और पुरावशेष कानूनों पर नियमित कक्षाएं संचालित की जाती हैं ।

16. सार्वजनिक जागरूकता गतिविधियां:

16.1 पुरातात्विक स्थल संग्रहालय और साथ ही साथ सर्किलों ने निम्न अवसरों पर विभिन्न स्कूल और कॉलेज के छात्रों की मदद से हेरिटेज वॉक, पेंटिंग प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, स्मारकों और संग्रहालयों के वातावरण की सफाई का आयोजन किया है ।

26 जनवरी - गणतंत्र दिवस
18 अप्रैल - विश्व विरासत दिवस (नि:शुल्क प्रवेश)
18 मई - विश्व संग्रहालय दिवस (नि:शुल्क प्रवेश)
15 अगस्त - स्वतंत्रता दिवस
2 अक्तूबर - गांधी जयंती
14 नवम्बर - बाल दिवस
19 से 25 नवम्बर - विश्व विरासत सप्ताह (पहले दिन नि:शुल्क प्रवेश)

****